राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
स्कूल स्तर गायन एवं स्वर वाद्य पाठ्यक्रम
सत्र 2026–27 नियमित / स्वाध्यायी

Sangeetika Senior Diploma in Performing Arts- (S.S.D.P.A.)

PAPER	SUBJECT VOCAL/INSTRUMENTAL (NON PERCUSSION)	MAX	MIN
1	Theory Music - Theory	100	33
2	PRACTICAL Demonstration & Viva	100	33
	GRAND TOTAL	200	66

Sangeetika Senior Diploma in Performing Arts (S.S.D.P.A)

(सुगम संगीत)

सैद्धांतिक

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**
उत्तीर्णांक : 33

1. जूनियर डिप्लोमा के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. सुगम संगीत में प्रयोग किये जाने वाले निम्नलिखित वाद्यों की बनावट (सचित्र) एवं वर्णन हारमोनियम, सितार, वायलिन, सारंगी, स्पेनिश गिटार, नाल, इलेक्ट्रॉनिक वाद्य (की–बोर्ड, ऑक्टोपेड, इलेक्ट्रॉनिक तानपुरा)
3. वाद्य वर्गीकरण की जानकारी
4. परिभाशाएँ एवं वर्णन :–मींड, कण, खटका, मुरकी, गमक, वर्ण, लय , ताल, मात्रा, सम, खाली, भरी, ठेका, आवर्तन।
5. निम्नलिखित सांगीतिक विधाओं की संक्षिप्त जानकारी :– शास्त्रीय संगीत, उप शास्त्रीय संगीत, सुगम संगीत, लोकसंगीत एवं चित्रपट संगीत।
6. निम्नलिखित तालों का तालिपि में लेखन ठाह, दुगुन, चौगुन सहित :–झपताल, दीपचन्दी, धुमाली, खेमटा, चांचर, भजनी ठेका।
7. संगीत विषयक निबंध का लगभग 400 शब्दों में लेखन।
8. निम्नलिखित रचनाकारों का संक्षिप्त परिचय :–कबीरदास, तुलसीदास, गुरूनानक, महादेवी वर्मा, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला, जयशंकर प्रसाद, मीर–तकी–मीर, फैज अहमद फैज, जिगर मुरादाबादी।

Sangeetika Senior Diploma In Performing Arts (S.S.D.P.A)
सत्र 2026–27 नियमित / स्वाध्यायी

(सुगम संगीत)

प्रायोगिकः–प्रदर्शन एवं मौखिक

समय : 20 मिनिट **पूर्णांक : 100**

उत्तीर्णांक : 33

1. पिछले वर्ष के पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति, आकाशवाणी द्वारा अनुमोदित रचनाकारों की रचनाओं का गायन : (दो–दो गीत, भजन, गज़लें कुल छः, सभी पृथक रचनाकारों की तथा मौलिक संगीत रचनाएँ)
2. निम्नलिखित रचनाकारों की रचनाओं का गायन : (दो–दो गीत, भजन, गजलें कुल छः सभी पृथक रचनाकारों की तथा मौलिक संगीत रचनाएँ) तुलसीदास, सूरदास, कबीरदास, गुरूनानक, मीराबाई, सुमित्रानन्द पंत, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला, गोपालदास नीरज, जयशंकर प्रसाद, महादेवी वर्मा, मिर्जा गालिब, बहादुरशाह जफर, फैज अहमद फैज, शकीलबदायुनी, जिगर मुरादाबादी, मीर तकी मीर।
3. उपरोक्त रचनाओं में से किसी एक रचना में उपज, बढत आदि सहित गायन।
4. एक स्वागत गीत एवं देशभक्ति गीत का गायन (संगीत रचना मौलिक होना अनिवार्य है।)
5. रागपूर्वी, मारवा, आसावरी, तोड़ी एवं भैरवी के आरोह, अवरोह, पकड़ तथा इनमें से किसी एक राग के मध्यलय ख्याल का गायन, पाँच आलाप एवं पाँच तानों सहित।
6. भारत में प्रचलित किन्हीं दो लोकगीतों का गायन। (दोनो पृथक प्रदेशों के हों)
7. निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन एवं चौगुन सहित प्रदर्शन :–दादरा, रूपक, कहरवा, झपताल, एकताल, दीपचन्दी, त्रिताल।

प्रायोगिक अंक विभाजन

गीत	15 अंक
भजन	15 अंक
गजल	15 अंक
लोकगीत	15 अंक
उपज, बढत सहित रचना	10 अंक
मध्यलय ख्याल	10 अंक
तालप्रदर्शन	10 अंक
देश भक्ति गीत अथवा स्वागत गीत	10 अंक
	.....
	100